

प्रेषक,

डॉ० भूपिन्दर कौर औलख,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक 24 फरवरी, 2016

विषय— वित्तीय वर्ष 2015-16 में "अल्पसंख्यक समुदाय के कक्षा 1 से 10 के छात्रों को छात्रवृत्ति" के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015, शासनादेश संख्या:-1336/XXVII(1)/2015, दिनांक 17.11.2015 तथा आपके पत्र संख्या-1329/नि.अ.क./502-बजट मांग/2015-16, दिनांक 09.02.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल वित्तीय वर्ष 2015-16 में उक्त योजनान्तर्गत "आयोजनागत" पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष ₹ 1.00 लाख (₹ एक लाख मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि की स्वीकृति राज्य सैक्टर की पूर्वदशम छात्रवृत्ति को ऑनलाइन किये जाने हेतु एन0आई0सी0 द्वारा विकसित वेबपोर्टल के सिक्योरिटी आडिट के भुगतान हेतु स्वीकृत की जा रही है।
2. व्यय करते समय उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 01.04.2015 एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेशों में दिये गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
3. उक्त शासनादेश दिनांक 01.04.2015 के प्रस्तर-4 के प्राविधानानुसार अवचनबद्ध मदों की आवश्यकताओं को बजट प्राविधान की सीमा तक ही सीमित रखते हुए धनराशि का व्यय किया जायेगा।
4. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल व वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित आवंटित सीमा तक उसी मद के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
7. मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
8. उक्त मानक मद में स्वीकृत की जा रही धनराशि का विद्युत देयक बिल का प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2250-अन्य सामाजिक सेवाएँ-800 -अन्य व्यय-16-अल्पसंख्यक समुदाय के कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के मानक मद 42-अन्य व्यय में प्राविधानित धनराशि से वहन किया जायेगा।
10. यह आदेश शासनादेश संख्या: 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. सं०-S1602150437, दिनांक 24.02.2016 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 17.11.2015 में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,


(डॉ. भूपिन्दर कौर औलख)  
सचिव।

संख्या : 208 (1)/XVII(3)/2016 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
5. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(बी. एस. बोरा)  
उप सचिव।